माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

परीक्षा 2021 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम

विषय : उर्दू (तृतीय भाषा)
विषय कोड : 72
कक्षा : 10वीं

इस विषय की परीक्षा योजना निम्नानुसार है –

परीक्षा	समय (घंटे)	प्रश्नपत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
सैद्धान्तिक	3.15	80	20	100

पुस्तक का नाम : नवा ए उर्दू

इकाई संख्या	विषय वस्तु	अंक भार
1	अपठित गद्यांश	08
2	रचना : मज़मून निगारी, अर्ज़ी नवीसी, ख़तूत नवीसी	16
3	व्यावहारिक व्याकरण : क़वाइद	16
4	पाठ्यपुस्तक : नवा–ए–उर्दू (नस्र व नज़्म)	40

इकाई–1 **अपठित गद्यांश** **8**

एक गैर दर्सी इक़्तिबास का मतलब और उस पर मबनी सवालात

इकाई–2 **रचना** **16**

(अ) मज़मून : तालीमी, समाजी व तहजीबी मौजूआत 8
में से किसी एक मौजू पर मज़मून (100 अल्फ़ाज़) 8

(ब) अर्ज़ी नवीसी / ख़तूत नवीसी

इकाई–3 **व्यावहारिक व्याकरण (क़वाइद)** **16**

(अ) फैल, फ़ाइल और मफ़ऊल में से किसी दो की तारीफ़
मय मिसाल 6

(ब) मुहावरे और कहावतें (कोई दो) 6

(स) मुतारादिफ़ और मुताज़ाद अल्फ़ाज़ 2

(द) रमूज़–ए–अवक़ाफ़ (ख़त्मा, कौमा, वावेन, क़ौसेन वग़ैरा) 2

इकाई–4 **पाठ्यपुस्तक : नवा–ए–ऊर्दू** **40**

(i) गद्य भाग (हिस्सा ए नस्र) **20**

(अ) निसाब में शामिल असबाक़ के दो इक़्तिबासात में से किसी 5
एक इक़्तिबास की मय सियाक़–ओ–सबाक़ तशरीह

(ब) निसाबी किताब में से पाँच मुख़्तसर सवालात 10
(सात में से पांच)

(स) निसाबी किताब में से एक तफ़्सीली सवाल (दो में से एक) 5

(ii) पद्य भाग (हिस्सा–ए–नज़्म) **20**

(अ) निसाब में शामिल किसी एक नज़्म का खुलासा 4

(ब) निसाब में शामिल मंजूमात में से मुख़्तसर सवालात 6
(चार में से तीन)

(स)	निसाब में शामिल गज़लियात के अशआर का मतलब, शाइर के हवाले के साथ (चार में से दो)	5
(द)	निसाब में शामिल शैरी असनाफ (नज़्म, ग़जल) में से किसी एक की तारीफ़	5

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

परीक्षा 2021 के लिए हटाया गया भाग

पुस्तक का नाम : नवा ए उर्दू (हिस्सा नस्र)

इकाई संख्या	अध्याय का शीर्षक
1	''अपनी मदद आप'' – सर सैयद अहमद खाँ
6	''बेगम हज़रत महल'' – डॉ. मुईनुद्दीन शाहीन
9	''हुब्बुल वतनी'' – मो. सादिक़
10	''क़िस्सा मियां एटम का'' –शाहिद अख़्तर खाँ

(हिस्सा – नज़्म)

इकाई संख्या	अध्याय का शीर्षक
1	चन्द अहम् असनाफ़–ए–सख़ुन –(मरसिया व मसनवी) डॉ. शाहिदुल हक चिश्ती
3	न्आत शरीफ़ – बहज़ाद लखनवी
7	''कमज़ोर की मदद'' – हफ़ीज जालन्धरी
9	तालीम–ए–नुस्वां – ख़ुदादाद खां मोनिस
10	जश्न–ए–आज़ादी – मख़मूर देहलवी
11	हमारा राजस्थान : प्रेमशंकर श्रीवास्तव
12	ग़ज़लियात : (अ) मीर तक़ी मीर – ''फ़क़ीराना आये सदा कर चले...'' (ब) मिर्ज़ा ग़ालिब – ''बसकि दुश्वार है हर काम का आसां होना...''